प्रकृति नमन दिवस

14 फरवरी, 2024

प्रकृति नमन दिवस, बसंत पंचमी (14 फरवरी, 2024) में मंगल भूमि फाउंडेशन ने ग्राम अंधाव, जनपद बांदा, बुन्देलखण्ड में आयोजित किया।

देश में पहली बार डॉ अनिल प्रकाश जोशी जी की अगुवाई में प्रकृति नमन दिवस "बसंत पंचमी" के अवसर में मनाया जा रहा है। भोला उपवन में पेड़ों की पूजा कर प्रकृति का आभार प्रकट किया गया। ग्राम पंचायत अध्यक्ष सविता देवी ने कहा कि अगले वर्ष बसंत पंचमी के दिन हम लोग ग्राम पंचायत भवन में प्रकृति नमन दिवस मनाएंगे। प्रकृति नमन दिवस गांव में स्वच्छता का संदेश देकर कर सकते हैं। गांव हमारा स्वच्छ, हरा भरा रहेगा तो निश्चित रूप से हम प्रकृति को नमन कर रहे हैं। देव गुलाम यादव ने कहा की प्रकृति नमन दिवस इस वर्ष पहली बार मनाया जा रहा है यह बहुत जरूरी है क्योंकि आज हम धरती मां को खोद-खोद कर अन्न का उत्पादन कर रहे हैं पहले हम लोग बैलों के माध्यम से लकड़ी के हलों से खेत जोतते थे तब हमारी धरती मां का सीना कम चिरता था लेकिन आज बड़े-बड़े मशीन, लोहे के हल, प्लाऊ, ट्रैक्टर, आदि के माध्यम से जो अन्न उपजाऊ जमीन नही थी (बंजर, गोचर, जंगल) वहां भी लालची प्रवृत्ति के इंसान अन्न का उत्पादन करना शुरू कर दिये है, बल्कि उस जगह में झाड़, पेड़, घास उगती थी उस जमीन में जानवर अपना भोजन ग्रहण करते थे ।कह सकते हैं कि गांव की गोचर एवं जंगल खत्म हो रहे हैं, ऐसे में प्रकृति नमन दिवस के माध्यम से जो हमारी पुरानी परंपरा है, बाग बगीचा, गोचर, तालाब, पोखर हैं, इन्हें पुनः स्थापित करना होगा। मंगल भूमि फाउंडेशन के सदस्य देवनाथ गर्ग ने कहा कि हम अपने घर में किचेन गार्डन बना कर प्रकृति नमन दिवस मना सकते है। मेरे घर में किचेन गार्डन है जो हमारे रसोई में चाहिए वह हमारे घर पर उपलब्ध है जैसे हरी सब्जियां, मिर्च, प्याज़, लहसुन, धनिया, मौसमी फल जिससे हमें बाजार से कम सामान लाना पड़ता है। अपने घर की प्राकृतिक सब्जी-फल उपयोग करते हैं। कार्यक्रम में प्रकृति संचयन हेतु शपथ भी लिया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शिवावतार दीक्षित, राजाभैया, कालका सविता,

इंदल यादव, आनंद तिवारी, अवधेश विश्वकर्मा, रमाशंकर दीक्षित, जगमोहन यादव, गोरेलाल गर्ग, इकबाल खां, बलराम आदि थे।

इको इंडिया ऑर्गेनाइजेशन, प्रयागराज व मंगल भूमि फाउंडेशन, प्रयागराज इकाई के संयुक्त तत्वधान में बसंत पंचमी (14 फरवरी 2024) को मनाया गया प्रकृति नमन दिवस।

प्रयागराज के चुंगी चौराहा स्थित तिरंगा पार्क में प्रकृति नमन दिवस वृक्षारोपण करके मनाया गया। इको इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के सिद्धार्थ ने कहा कि प्रकृति नमन दिवस प्रकृति को आभार प्रकट करने हेतु मनाया जा रहा है। प्रकृति का आभार हम पृथ्वी पर वृक्ष लगाकर कर सकते हैं। आज देश में पहली बार मनाए जा रहे प्रकृति नमन दिवस के दिन हम युवा साथी एक-एक वृक्ष लगाकर कुल 11 वृक्ष लगाकर प्रकृति नमन दिवस मनाया है।

मंगल भूमि फाउंडेशन के अध्यक्ष रामबाबू तिवारी ने कहा कि भारत युवाओं का देश है। हम युवा साथी प्रकृति, पर्यावरण के संरक्षण को लेकर नेचर नेटवर्क के माध्यम से प्रयागराज क्षेत्र मे कार्य करेंगे। ऐसे में प्रयागराज का तिरंगा पार्क को मॉडल पार्क के रूप में विकसित किया जाएगा। अगले वर्ष प्रकृति नमन दिवस (बसंत पंचमी) से पहले यह प्रयागराज का मॉडल पार्क के रूप में होगा।

मंगल भूमि फाउंडेशन के सदस्य सौरव द्विवेदी ने कहा कि प्रकृति का आभार प्रकट करने हेतु युवाओं को प्रत्येक वर्ष बढ़-चढ़कर प्रकृति नमन दिवस मनाना होगा। प्रकृति नमन दिवस में सिर्फ एक जगह इकट्ठे होकर नहीं मानना है इसके लिए हमें प्रकृति से जुड़े हुए कार्यों जैसे वृक्षारोपण, स्वच्छता, जल का संचयन जैसे कार्य करना होगा।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अभिषेक सिंह, विपिन राय, मयंक, अनिल, शशांक, प्रियतम आदि लोग रहे।

बसंत पंचमी (14 फरवरी 2024) को विशाल संकल्प संस्थान, प्रयागराज व मंगल भूमि फाउंडेशन, प्रयागराज इकाई ने मनाया प्रकृति नमन दिवस।

देश में पहली बार प्रकृति को आभार प्रकट करने हेतु बसंत पंचमी के दिन प्रकृति नमन दिवस मनाया गया। डॉ अनिल प्रकाश जोशी जी प्रख्यात पर्यावरणविद् के नेतृत्व में देश में 700 अलग-अलग स्थानों में प्रकृति नमन दिवस मनाया गया। तीर्थराज प्रयाग नगरी में जहां गंगा, यमुना, विलुप्त सरस्वती का संगम है ऐसी जगह पर गंगा जी के सहायक नदी यमुना के तट में सेवा बस्ती के बच्चों के साथ प्रकृति नमन दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

विशाल संकल्प संस्थान, प्रयागराज की डॉ अंजलि केसरी ने कहा कि वर्तमान समय में आपदाएं जिस प्रकार से बढ़ रही हैं, इसमें से मानव जनित अधिक हैं। हमें इन आपदाओं को रोकने और अपने भविष्य को सुरक्षित रखने हेतु हमें सस्टेनेबल डेवलपमेंट की बात करनी होगी। यह सस्टेनेबल डेवलपमेंट हम इन छात्रों के साथ प्रकृति की संचयन की बात कर व प्रकृति, पर्यावरण, जल, जंगल, जमीन संरक्षण कर उदाहरण पेश कर सकते हैं। प्रकृति का आभार हम लोग तो पूर्ण रूप से प्रकट नही कर सकते है, क्योंकि हमारी शरीर की रचना प्रकृति (पंच तत्व) से हो रखी है लेकिन सच रूप में प्रकृति का आभार हम लोग कम से कम संसाधन का अनुकूल प्रयोग कर भी दे सकते है।

मंगल भूमि फाउंडेशन के अध्यक्ष रामबाबू तिवारी ने कहा कि प्रकृति नमन दिवस के माध्यम से लोगों को प्रकृति, पर्यावरण से जोड़ने का कार्य भी किया जा रहा है। वर्तमान समय में पहाड़, प छोटी नदियां, तालाब, पोखर, झील, विलुप्त हो रहे हैं। ऐसे में प्रकृति नमन दिवस के माध्यम से नेचर नेटवर्क के स्वयंसेवक जल के प्राकृतिक स्रोत तालाब, पोखर, झील, छोटी नदियों को बचाने का कार्य करें और प्रकृति नमन दिवस का सफल उदाहरण प्रस्तुत करें। नेचर नेटवर्क के माध्यम से देश भर में प्रकृति नमन दिवस मनाया जा रहा है। प्रकृति नमन दिवस आगे आने वाले समय में गांव-गांव, मोहल्ला, स्कूल, कॉलेज स्तर में मनाया जाए। इसके लिए हमको वर्ष भर प्रयास करना होगा। अगले वर्ष के प्रकृति नमन दिवस मनाने हेतु हम लोगों को अभी से तैयारी शुरू कर देनी होगी इसके लिए छोटी-

छोटी बैठकें (ऑनलाइन, ऑफलाइन माध्यम), जागरूकता यात्रा, वाल पेंटिंग, नुक्कड़ नाटक आदि के माध्यम से लोगों को नेचर नेटवर्क में जोड़ कर प्रकृति नमन दिवस मना कर प्रकृति का आभार प्रकट करना होगा। प्रकृति नमन दिवस के अवसर में सेवा बस्ती के छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण हेतु शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अंकित, मयंक, अर्पित, सुशील, गुड़िया, सीखा, नंदिनी, स्नेहा ,दीक्षा आदि लोग रहे।

राजकीय मुकुंदलाल इंटर कॉलेज, महोबा में प्रकृति नमन दिवस मनाया गया।

मंगल भूमि फाउंडेशन ,महोबा इकाई, व राजकीय मुकुंद लाल इंटर कॉलेज, महोबा, के संयुक्त तत्वाधान में बसंत पंचमी (14 फरवरी 2024) को वृक्षारोपण कराकर मनाया गया प्रकृति नमन दिवस।

राजकीय मुकुंदलाल इंटर कॉलेज, महोबा के प्राचार्य प्रेम अनुरागी जी ने कहा कि प्रथम प्रकृति नमन दिवस के अवसर पर प्रकृति को हरा भरा करने व अपने कैंपस को इको फ्रेंडली बनाने हेतु हम लोगों ने आज कॉलेज परिसर में वृक्षारोपण किया है। वृक्षारोपण करने के उपरांत जिन छात्रों ने वृक्षारोपण किया उन छात्रों को एक-एक वृक्ष गोद लेने के लिए प्रेरित किया और उनसे कहा गया है कि अगले वर्ष प्रकृति नमन दिवस (बसंत पंचमी) के पहले इन वृक्षों का मूल्यांकन होगा जिस छात्र का वृक्ष अच्छा होगा उस छात्र को सम्मानित किया जाएगा। वृक्षारोपण करने में प्रमुख रूप से छात्र छात्राएं अंकिता, सिद्धार्थ, सुमन, हेमलता, स्नेहा, पंकज, राहुल, अंशुमान आदि मौजूद रहे।

एपीजे अब्दुल कलाम मेमोरियल स्कूल, बदौसा, बांदा में मनाया गया प्रकृति नमन दिवस।

मंगल भूमि फाउंडेशन, बांदा इकाई द्वारा आयोजित प्रकृति नमन दिवस, बसंत पंचमी (24 फरवरी 2024) को मनाया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अहसान अली ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं को पर्यावरण प्रदूषण, बढ़ते तापमान के चलते जलवायु परिवर्तन से हो रहे नुकसान जैसे-प्राकृतिक आपदाएं,(बाढ़ और सूखा) का बार-बार आने के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर प्रधानाचार्या श्रीमती ज्योति तिवारी ने कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं और आगे आने वाले पर्यावरण प्रदूषण के संकट को नियंत्रित करने के लिए स्कूल के बच्चों को जागरूक करना होगा। वर्तमान समय में प्रकृति नमन दिवस प्रत्येक दिन मनाने की आवश्यकता है। जिस प्रकार से वर्तमान समय में जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, व मिट्टी प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है जिस वजह से छात्रों का स्वास्थ्य खराब हो रहा है। हमें अपने आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ रखने हेतु पर्यावरण को स्वस्थ रखना बहुत जरूरी हो गया है। हमें अपने आसपास हरियाली बढ़ानी होगी। पर्यावरण अनुकूल कार्य करने होंगे। अपने आस-पास की हरियाली बढ़ानी हेतु हम स्कूल के समस्त छात्र-छात्राओं से अपील करते हैं कि अपने घरों में एक-एक पौधा रोपण जरूर करें।

प्रकृति नमन दिवस के अवसर में स्कूल के समस्त छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई गई।। कार्यक्रम में अमित कुमार गुप्ता, राजेंद्र कुमार, हारून खान, गोविंद कुमार, अजय गुप्ता व अन्य शिक्षक समेत समस्त छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

स्वामी शांतानंद सरस्वती विद्या मंदिर, काकुन, महोबा में प्रकृति वंदन कार्यक्रम का हुआ आयोजन।

मंगल भूमि फाउंडेशन, महोबा इकाई, व बुंदेलखंड सेवा भारती के संयुक्त तत्वाधान में प्रकृति वंदन दिवस कार्यक्रम, बसंत पंचमी (14 फरवरी 2024) में हुआ आयोजित। प्रकृति वंदन दिवस की शुरुआत सरस्वती पूजा से शुरुआत कर व स्वामी शांतानंद सरस्वती विद्या मंदिर के अध्यापक श्री कुलदीप मिश्र, श्री मयंक त्रिपाठी, श्री रामअवतार यादव, श्री शिव सिंह जी ने सरस्वती जी की प्रतिमा में पुष्प अर्पित कर किया। इसके पश्चात स्वागत गीत व सरस्वती वंदना की गई। वातावरण को शुद्ध करने व प्रकृति को संतुलित करने हेतु कैंपस परिसर में आचार्य कुलदीप मिश्र जी ने छात्राओं के साथ हवन पूजन किया। प्रख्यात पर्यावरणविद् डॉ अनिल प्रकाश जोशी जी की अगुवाई में मनाए जा रहे हैं प्रथम प्रकृति वंदन दिवस के अवसर में केंद्रीय कार्यालय देहरादून से विमोचित पोस्टर का विमोचन स्कूल के छात्र छात्राओं ने किया। श्री रामअवतार यादव ने कहा कि प्रकृति वंदन दिवस का आयोजन हेतु प्रकृति का धन्यवाद ज्ञापित करने हेतु हम लोगों ने छोटे-छोटे पौधों की पूजा की। पौधों की पूजा करने के उपरांत विद्यालय परिसर में पौधा रोपण किया गया। हमारा देश आस्थावान है। वास्तविक रूप में ईश्वर प्रकृति में ही विराजमान है, इसलिए प्रकृति की पूजा करना प्रकृति का आभार प्रकट करना है। प्रकृति वंदन दिवस के अवसर में आयोजित कर कम से कम एक दिन तो हम प्रकृति का आभार प्रकट कर सकते हैं। श्री शिव सिंह ने कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र में अत्यधिक वनों का कटाव, जल के प्राकृतिक स्रोतों पर अतिक्रमण, भौतिकवाद, व शहरीकरण के चलते बुंदेलखंड क्षेत्र हमेशा अकाल और दुष्काल के लिए जाना जाता है। इस कलंक को मिटाने के लिए हमें प्रकृति के साथ जुड़ना होगा। प्रकृति से लोगों को जोड़ने के लिए गांव-गांव जाकर स्कूल में बच्चों को जोड़ने का प्रयास करना होगा। वास्तविक

रूप में प्रकृति नमन दिवस हम लोगों का तभी सफल होगा जब अगले वर्ष प्रकृति नमन दिवस मनाने से पहले कम से कम 100 स्कूलों में जाकर छात्रों को प्रकृति के प्रति जागरूक किया जाए। फिर इसके बाद बृहत रूप में प्रकृति वंदन दिवस का आयोजन किया जाए। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन मयंक त्रिपाठी ने किया। प्रगति नमन दिवस के अवसर पर स्वामी शांतानंद सरस्वती विद्या मंदिर के समस्त छात्राएं मौजूद रहे।